बीटीएस
द्वितीय वर्श

सत्रीय कार्य पुस्तिका
(2011–12)

टीएस–4 और टीएस–5

पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राश्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

बीटीएस सत्रीय कार्य

पर्यटन अध्ययन सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको पर्यटन अध्ययन के प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य (टीएमए) करना है।

सत्रीय कार्य को करने से पहले कृपया पर्यटन अध्ययन की कार्यक्रम दर्षिका में दिए गए निर्देषों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। हम आपको टीएस–4 और टीएस–5 के सत्रीय कार्य भेज रहे हैं।

नोटः सभी सत्रीय कार्यों को समय पर अपने अध्यन केंद्र के संयोजक को भेजें। अपने सत्रीय कार्य के मुख–पृश्ठ पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पता सत्रीय कार्य कोड एवं अध्ययन केंद्र कोड लिखें।

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के बदले में अपने अध्ययन केंद्र से उसकी रसीद प्राप्त कर लें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद, अध्ययन केंद्र द्वारा आपको सत्रीय कार्य वापस भेजा जाना अपेक्षित है। कृप्या इसके लिए अनुरोध करें और रिकॉर्ड के रूप में इसे अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र सत्रीय कार्यों के अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजता है।

सत्रीय कार्य करने के लिए निर्देष

हम आपसे प्रत्येक प्रष्न का उत्तर लगभग 500–700 षब्दों के बीच देने अथवा जैसा सत्रीय कार्य में उल्लेख किया गया है, के अनुसार देने की आषा करते हैं। निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगाः

1. **योजना बनानाः** सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित है। प्रत्येक प्रष्न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें और तत्पष्चात् उन्हें तर्कसंगत क्रम से व्यवस्थित करें।

2. **संगठनः** अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विष्लेशण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रष्न का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निश्कर्श पर पर्याप्त ध्यान दें।

   यह सुनिष्चित करें किः

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है।
   ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पश्ट संबंध है।
   ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, षैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा है।

3. **प्रस्तुतिः** जब आपको अपने उत्तर संतोशजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पश्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित करें।

षुभकामनाओं सहित,

अरविन्द कुमार दुबे
कार्यक्रम संयोजक, बीटीएस, डीटीएस, सीटीएस

सत्रीय कार्य जमा कराने की अनुसूची

अनिवार्य पाठ्यक्रम	जनवरी सत्र के लिए अंतिम तिथि	जुलाई सत्र के लिए अंतिम तिथि
टीएस–4	15 अप्रैल, 2011	15 अक्तूबर, 2011
टीएस–5	15 अक्तूबर, 2011	15 अप्रैल, 2012

टीएस 4 : भारतीय संस्कृति : पर्यटन के परिप्रेक्ष्य
(अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः टीएस–4
कुल अंकः 100 सत्रीय कार्य कोडः टीएस–4/टीएमए/2011–12

नोटः इस अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।

भाग I में दो प्रष्न हैं जिनमें से आपको एक प्रष्न का उत्तर देना है। यह प्रष्न 25 अंक का है और इसका उत्तर लगभग 700 षब्दों में दें।

भाग II में आठ प्रष्न हैं। किन्हीं पांच प्रष्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रष्न का उत्तर लगभग 500 षब्दों में दें। प्रत्येक प्रष्न 15 अंक का है।

अपने टीएमए को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

भाग – I

1. विभिन्न प्रकार के संग्रहालयों का वर्णन कीजिए। पर्यटन के विकास में संग्रहालय क्या भूमिका निभाते हैं? 25

अथवा

2. हस्तषिल्प के विकास में पर्यटन की भूमिका का वर्णन कीजिए। भारत में हस्तषिल्प क्षेत्र की क्या कमियां हैं? 25

भाग–II

1. आधुनिक भारतीय सिनेमा/थियेटर के विकास और संवृद्धि का वर्णन कीजिए। 15

2. पुरातत्वविज्ञान से आप क्या समझते हैं? पूर्ण विकसित हड़प्पा स्थल पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 15

3. प्राचीन भारतीय वास्तुकला की प्रमुख विषेशताओं का वर्णन कीजिए। 15

4. भारत के प्रमुख काश्ठ–षिल्पों का वर्णन कीजिए। उनके उत्पादन के प्रमुख केंद्र कौन–से हैं? 15

5. भारत के विभिन्न जनजातीय समाजों पर एक टिप्पणी लिखिए। 15

6. भारत की पर्यटन नीति की समालोचनात्मक विवेचना कीजिए। 15

7. पर्यटन में मानचित्र की क्या उपयोगिता है? प्रासंगिक उदाहरण दीजिए। 15

8. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः (5+5+5)15
   क) पर्यटन में गाइड
   ख) प्रदर्षनपरक कला
   ग) स्टार श्रेणी के होटल
   घ) विष्वास प्रणाली के रूप में इस्लाम
   च) ट्रेवल एजेंसी का प्रचालन करना

टीएस 5 : पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पर्यटन
(अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः टीएस–5
कुल अंकः 100 सत्रीय कार्य कोडः टीएस–5/टीएमए/2011–12

नोटः इस अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।
भाग I में दो प्रष्न हैं जिनमें से आपको एक प्रष्न का उत्तर देना है। यह प्रष्न 25 अंक का है और इसका उत्तर लगभग 700 षब्दों में दें।
भाग II में आठ प्रष्न हैं। किन्हीं पांच प्रष्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रष्न का उत्तर लगभग 500 षब्दों में दें। प्रत्येक प्रष्न 15 अंक का है।
अपने टीएमए को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

भाग – I

1. विभिन्न भू–वैज्ञानिक काल में पर्यावरण में आए परिवर्तनों का अध्ययन आप किस प्रकार करेंगे? पर्यावरण पर पर्यटन के प्रभावों की चर्चा कीजिए। 25

अथवा

2. पर्यटन में सहभागिता और पर्यटन का विकास किस प्रकार एक–दूसरे से परस्पर संबद्ध हैं? पर्यटन के विकास के फलस्वरूप स्थानीय लोगों को प्राप्त विभिन्न अवसर कौन–से हैं? 25

भाग–II

1. संसाधन विभाजन से आप क्या समझते हैं? उदाहरण देकर स्पश्ट कीजिए। 15

2. भारतीय दार्षनिकता और पर्यावरण के बीच संबंधों का वर्णन कीजिए। 15

3. पर्यटन के लिए नियोजन अथवा योजना बनाने के महत्व की व्याख्या कीजिए। 15

4. पर्यटन और पारिस्थितिकी तंत्र के बीच संबंधों का वर्णन कीजिए। 15

5. विभिन्न पर्यावरण प्रवेष द्वारों/थ्रेसहोल्ड की व्याख्या कीजिए। 15

6. पर्यटन क्षेत्र में अनुप्रयुक्त और प्रयुक्त वहन क्षमता की संकल्पना की चर्चा कीजिए। 15

7. भारत के विभिन्न जैव–भौगोलिक आंचलों का वर्णन कीजिए। 15

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 200 षब्दों में टिप्पणी लिखिएः (5+5+5)15
   क) उत्तरदायी पर्यटन के लाभ
   ख) पारिस्थिति–पर्यटन
   ग) वन्य जीवन/वाइल्ड लाइफ पर पर्यटन का प्रभाव